

उत्तराखण्ड के पहाड़ों में टनल पार्कगि के लिये 12 जगह तय

चर्चा में क्यों?

4 दिसंबर, 2022 को उत्तराखण्ड के उत्तराखण्ड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण के संयुक्त मुख्य प्रशासक पीसी दुमका ने बताया कि मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु के निर्देश पर चार जिलों में कुल 12 पहाड़ों को टनल पार्कगि के लिये चुना गया है। इनकी डीपीआर बनाई जा रही है।

प्रमुख बदि

- वदिति है कि हर साल लाखों पर्यटक उत्तराखण्ड आते हैं, लेकिन पहाड़ी जिलों में पार्कगि की समस्या विकिराल है। पार्कगि की समस्या दूर करने के लिये मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु के निर्देशों पर टनल पार्कगि पर काम शुरू हुआ था।
- पार्कगि बनाने के लिये आरवीएनएल, यूजेवीएनएल, टीएचडीसी और एनएचआईडीसीएल को कार्यदायी संस्था बनाया गया है।
- टनल पार्कगि के लिये पौड़ी में दो, टहिरी में छह, उत्तरकाशी में दो और नैनीताल में दो मलिकर कुल 12 टनल पार्कगि की जगह तय की गई है।
- जनि पर्वतीय जिलों में पार्कगि के लिये बड़ा मैदान उपलब्ध नहीं है, वहाँ पहाड़ों के भीतर ही टनल से पार्कगि का काम लिये जाएगा। ये पार्कगि ऐसी बनाई जाएंगी कि एक तरफ से वाहन पार्कगि के लिये घुसेगा और दूसरी सड़क पर बाहर निकल जाएगा।
- गौरतलब है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2025 तक प्रदेश में 50 बड़ी पार्कगि बनाने का लक्ष्य तय किया है। 2030 तक इनकी संख्या 100 तक हो जाएगी। इसमें नज्जि सहभागिता के लिये भी वशिष छूट के प्रावधान किये जा रहे हैं। इसके लिये शासन सूत्र पर पार्कगि नीति की प्रक्रिया चल रही है, जो जल्द ही कैबिनेट में लाई जाएगी।